

में बनी पतंग मेरी मैया बन गई डोर

आ गई है मैया गली गली में शोर,
में बनी पतंग मेरी मैया बन गई डोर....

इधर घूमाए चाहे उधर घूमाए,
जिस ओर चाहे मैया मुझको नचाए,
नाच रही मैं ऐसे जैसे बन में नाचे मोर,
में बनी पतंग मेरी मैया बन गई डोर....

जिससे भी चाहे मैया पैच लड़ाए,
पास बुलाए चाहे दूर भगाएं,
कटु या वापस आऊ मेरा चले ना कोई जोर,
में बनी पतंग मेरी मैया बन गई डोर...

रंग बिरंगी मां ने मुझको बनाया,
सुख और दुख का है मेल कराया,
मां के हाथ में डोरी वह ले ले जिसकी ओर,
में बनी पतंग मेरी मैया बन गई डोर....

दूर गगन में मैं तो उड़ती ही जाऊं,
डर लगता है कहीं कट नहीं जाऊं,
रास्ता नहीं सूझे चहू नीला घनघोर,
में बनी पतंग मेरी मैया बन गई डोर.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/26612/title/main-bani-patang-meri-mayia-ban-gayi-dor>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |